

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



News

Interfaith Dialogue 2019 (23rd Sep) (ISKCON, Rohini)

ISKCON is a well-known organization in the field of spirituality. From time to time, ISKCON organises various social & spiritual events to bring the world on one platform without discrimination of caste, colour, nationality & faiths. In continuation of the same tradition, under the aegis of H.G. Keshav Murari Prabhu, Temple President, an 'Interfaith Dialogue' was organized in the temple compound. The chief aim of the program was to provide a platform for elevated spiritual authorities of different faiths & cultures to share their views on the world peace & how the humanity can grow spiritually & socially. There were around 18 speakers from different faiths including ISKCON. More than 200 people attended the event. The program was followed by snacks and sumptuous dinner. The speakers & guests were given "Bhagvada-Gita as it is", packed prasadam from Govinda's and Participation Certificates at the end. H.G. Premanjana Prabhu from ISKCON Punjabi Bagh was the host and he invited the eminent speakers onto the dais to express themselves on their faith & culture. ISKCON leaders, H.H. Bhakti Madhurya Govind Swami Maharaja, H.G. Sarvadik Prabhu, H.G. Rishi kumar Prabhu and H.G. Rukmini Krishna Prabhu, were the last ones to speak. They delved into the significance of chanting the Holy Name and attaining the love of God. They all referred to several quotes from the Bhagavada Gita, Srimad Bhagwatam and Chaitanya Charitamrita and stressed that chanting the holy names is the only way & there is no other way in the age of 'kali'. The program came to a successful end with a group photograph of spiritual leaders of different faiths & cultures with a vow to maintain the same spirit in the future too.



समाचार

इंटरफेथ डायलॉग 2019 (23 सितम्बर) (इस्कॉन, रोहिणी)

आध्यात्मिकता के क्षेत्र में इस्कॉन, एक प्रसिद्ध संगठन है। इस्कॉन समय-समय पर, जाति, रूप-रंग, राष्ट्रीयता और विभिन्न-मतों के भेदभाव के बिना दुनिया को एक मंच पर लाने हेतु कुछ सामाजिक एवं आध्यात्मिक आयोजन करता है। तो, उसी परंपरा को जारी रखते हुए, मंदिर के अध्यक्ष, श्रीमान केशव मुरारी प्रभु के तत्वावधान में, मंदिर परिसर में एक 'इंटरफेथ डायलॉग' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, आध्यात्मिक एवं सामाजिक रूप से मानवता कैसे विकसित हो सकती है? तथा विश्व शांति पर अपने विचारों को साझा करने हेतु विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के उन्नत आध्यात्मिक अधिकारियों को एक मंच प्रदान करना था। इस्कॉन सहित विभिन्न धर्मों के लगभग 18 वक्ता थे। आयोजन में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रमोपरांत स्नैक्स और शानदार डिनर भी था। वक्ताओं एवं अतिथियों को कार्यक्रम के अंत में 'श्रीमद् भगवद्-गीता यथारूप', 'गोविंदा'स का पैकड प्रसाद एवं पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट भी प्रदान किये गए। इस्कॉन पंजाबी बाग से प्रेमांजन प्रभु कार्यक्रम के मेजबान थे एवं उन्होंने उनकी आस्था एवं संस्कृति पर स्वयं को अभिव्यक्त करने हेतु वक्ताओं को मंच पर आमंत्रित किया। इस्कॉन के अग्रजन, परम पूज्य भक्ति माधुर्य गोविंद स्वामी महाराज, श्रीमान सर्वदिक प्रभु, श्रीमान ऋषि कुमार प्रभु एवं श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु, बोलने वाले अंतिम व्यक्ति थे। उन्होंने पवित्र हरिनाम-जप के महत्त्व एवं कृष्ण-प्रेम प्राप्ति से ओत-प्रोत व्याख्यान दिया। उन सभी ने 'श्रीमद् भगवद् गीता-यथारूप', 'श्रीमद्भागवतम्' एवं 'श्री चौतन्त्र्य-चरितामृत' से कई उद्धरणों का उल्लेख किया तथा उन्होंने जोर देकर कहा कि कलिकाल में भगवान् के पवित्र नामों का जप ही एकमात्र तरीका है और इसके अलावा कोई अन्य दूसरा तरीका नहीं है। भविष्य में भी इसी भावना को बनाए रखने हेतु प्रतिबद्धता के साथ ही विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के आध्यात्मिक नेताओं की सामूहिक तस्वीर के साथ ही इस कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

IGF celebrates World Holy Name Day (29th September) (ISKCON, East of Kailash)

The Girls Forum of ISKCON celebrated the World Holy Name Day during the IGF classes on Sunday. Ecstatic kirtan and dance, a drama based on the life of Namacharya Srila Haridas Thakur followed by sumptuous prasadam were the chief events of the celebration. A short lecture by Her Grace Urmila Mataji, discussing about the life and teachings of Srila Haridas Thakur was truly life changing for the young aspirants present there. Around 75 girls took part in the celebration.

The Nectar of Srimad Bhagavatam (5-8th Oct 2019) (ISKCON, Punjabi Bagh)

The devotees were delighted to have H.G. Gauranga Darshan prabhu, Deen Academics, Bhaktivedanta Vidyapeeth of Wada. Gauranga Darshan prabhu took a 4-day series on Srimad Bhagavatam, which gave everyone a great insight into the vast ocean of Lord Krishna's pastimes. He also delivered a discourse for IYF on the topic "Preservation through propagation". All these lectures are available on ISKCON Punjabi Bagh YouTube channel for devotees who could not attend these in person.



Bhakti Poshan Yatra: A Trip to Remember (5-8th Oct 2019) (ISKCON, Punjabi Bagh)

The congregation leaders went on a 4-day trip led by H.G. Rukmini Krsna Prabhu to Govardhan Eco Village (Wada) and Mumbai. The yatra was completely focused on Harinaam and Japa. There were deep discussions daily on Harinaam. These discussions were followed everyday by Kirtan at the end which were led by H.G. Madhava Prabhu who was also present at the village for a retreat. The last day of Yatra included visits to 3 ISKCON centres of Mumbai – Sri Sri Radha Giridhari Mandir (Mira Road), Sri Sri Radha Rasbihari Mandir (Juhu) and Sri Sri Radha Gopinath Mandir (Chowpatty). All devotees expressed that they felt completely rejuvenated by this yatra.

Dussehra Celebration (8th October) (ISKCON, Dwarka)

Dussehra was celebrated in a very special way terming it as "Tyaga Utsava". The celebration started with special kirtan by H.G. Amala Krishna Prabhu followed by bonfire of "Tyaga". The bonfire was meant for people to feel the real victory by overcoming the anger, regret, guilt and all

IGF ने मनाया विश्व हरिनाम-दिवस (29 सितंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन गर्ल्स फोरम ने रविवारीय आईजीएफ सत्र के दौरान विश्वहरिनाम दिवस मनाया। उन्मत्त कर देने वाले नृत्य-कीर्तन एवं नामाचार्य श्रील हरिदास ठाकुर के जीवन पर आधारित नाटक के उपरान्त सुस्वादिष्ट भोज-प्रसादम आदि समारोह के प्रमुख आकर्षण थे। श्रील हरिदास ठाकुर के जीवन और शिक्षाओं के बारे में चर्चा करते हुए, श्रीमती उर्मिला माताजी का एक संक्षिप्त व्याख्यान, वास्तव में वहाँ उपस्थित युवाकांक्षियों हेतु जीवन परिवर्तित करने वाला था। समारोह में लगभग 75 लड़कियों ने भाग लिया।

श्रीमद्भागवतामृत (5-8 अक्टूबर 2019) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

श्रद्धालुओं को वाडा के भक्तवेदांत विद्यापीठ के शिक्षाविद डीन, श्रीमान गौरांग दर्शन प्रभु से मिलकर प्रसन्नता हुई। गौरांग दर्शन प्रभु ने श्रीमद्भागवतम् पर 4 दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की, जिसने सभी को भगवान कृष्ण की लीलाओं के विशाल सागर के बारे में अन्तर्दृष्टि प्रदान की। उन्होंने 'प्रचार के माध्यम से संरक्षण' विषय पर IYF के लिए एक प्रवचन दिया। ये सभी व्याख्यान उन सभी भक्तों हेतु जो व्यक्तिगत रूप से इनमें शामिल नहीं हो सके, इस्कॉन पंजाबी बाग YouTube चैनल पर उपलब्ध हैं।

भक्ति पोषण यात्रा: एक स्मरणीय यात्रा (5-8 अक्टूबर 2019) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु के नेतृत्व में भक्त-मण्डल के अग्रणीय भक्त, 4 दिवसीय यात्रा पर, गोवर्धन इको विलेज (वाडा) और मुंबई गए। यात्रा सम्पूर्ण रूप से हरिनाम और जप पर केंद्रित थी। वहाँ हरिनाम पर प्रतिदिन गहन चर्चा होती थी। इन चर्चाओं के उपरान्त नित्य हरिनाम कीर्तन होता था, जिसका नेतृत्व श्रीमान माधव प्रभु ने किया, वो भी इस रिट्रीट हेतु ग्राम में मौजूद थे। यात्रा के अंतिम दिन में मुंबई के 3 इस्कॉन केंद्रों – श्री श्री राधा गिरिधारी मंदिर (मीरा रोड), श्री श्री राधा रासबिहारीमंदिर (जुहु) और श्री श्री राधा गोपीनाथ मंदिर (चौपाटी) शामिल थे। सभी भक्तों ने अभिव्यक्त किया कि उन्हें इस यात्रा से सम्पूर्ण रूप से कायाकल्प हुआ अनुभव हुआ।



दशहरा उत्सव (8-अक्टूबर) (इस्कॉन, द्वारका)

दशहरा को बहुत ही विशेष तरीके से मनाया जाता था, जिसे 'त्यागोत्सव' कहा जाता है। उत्सव की शुरुआत श्रीमान अमल कृष्ण प्रभु द्वारा विशेष कीर्तन के साथ की गई तदोपरांत ष्यागण का अलाव जलाया गया। अलाव का अर्थ लोगों को क्रोध, अफसोस, अपराध और सभी कमियों को दूर कर इसे आग में जलाने से असली जीत महसूस कराना था। भक्तों ने हरिनाम संकीर्तन का गायन एवं उत्साहपूर्वक

shortcomings by denouncing it and burning it in the fire. Devotees chanted and danced enthusiastically on the name of Lord. The program was accompanied by special lecture followed by delicious prasadam.

Lessons to abide by throughout One's Life
(8th Oct 2019)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

H.H. Lokanath Swami Maharaja visited on the occasion of Dussehra. He started with a melodious bhajan glorifying Lord Rama, followed by a lecture on nectarian pastimes of Lord Rama. The devotees were totally immersed in relishing the beautiful pastimes of the lord. Maharaja emphasized on the importance of chanting the name of God.



Kurukshetra Camp, IYF (10 - 13th Oct)
(ISKCON, Punjabi Bagh and ISKCON, Dwarka)

IYF Dwarka in association with ISKCON Punjabi Bagh went for a holy pilgrimage to Kurukshetra. The yatra was headed by H.G. Rukmini Krishna Prabhu and H.G. Murali Krishna Prabhu. The devotees participated in ecstatic kirtan by enthusiastically chanting and dancing. In the course of the parikrama, hari-katha filled the heart of devotees with transcendental bliss. Yatra's highlights were visiting holy places like Jyotisar tirtha, Brahma Sarovar, Bhisma Kunda, Sannihit Sarovar, etc., followed by more katha and prasadam. Devotees enthusiastically recited slokas from Bhagavad Gita at Jyotisar tirtha.

Disappearance day of Srila Raghunatha Dasa Goswami and Raghunatha Bhatta Goswami
(10th October)
(ISKCON, East of Kailash)

When acharyas leave their body, they show by example how spiritually enlightened people deal with material energy. Their departure is a moment of bliss for them as they enter and join the eternal pastimes of the Lord. However, for their followers, it is a moment of deep sorrow as they experience separation from their source of inspiration and encouragement. The disappearance day of Srila Ragunatha Dasa Goswami and Srila Raghunatha Bhatta Goswami, two of the greatest acharyas of the Vaishnava tradition was celebrated with pushpanjali, kirtan, glorification and chanting.



नृत्य किया। कार्यक्रम में विशेष व्याख्यान के साथ-साथ स्वादिष्ट प्रसादम भी था।

जीवनभर पालन करने हेतु सबक (8-अक्टूबर 2019)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

दशहरे के शुभ अवसर पर परम पूज्य लोकनाथ स्वामी महाराज पधारे। उन्होंने भगवान राम की महिमा का वर्णन करते हुए एक मधुर भजन के साथ शुरुआत की, जिसके बाद भगवान राम की अमृतमयी लीलाओं का रसास्वादन कराया। भगवान की मधुर लीलाओं का आस्वादन करने में भक्तगण पूरी तरह से निमग्न हो गए। हरिनाम के जाप के महत्त्व पर महाराज ने ज्यादा जोर दिया।

कुरुक्षेत्र कैंप, आईवाईएफ (10-13 अक्टूबर)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग और इस्कॉन, द्वारका)

आईवाईएफ द्वारका, इस्कॉन पंजाबी बाग के साथ मिलकर, पवित्र धाम कुरुक्षेत्र की यात्रा पर गए। यात्रा का नेतृत्व श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु एवं श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु कर रहे थे। भक्तों ने उत्साहपूर्वक मंत्रोच्चारण एवं नृत्य द्वारा परम आनंद दायक कीर्तन में भाग लिया। परिक्रमा के दौरान, हरि-कथा ने भक्तों के हृदय को दिव्यानंद से भर दिया। यात्रा का मुख्य आकर्षण ज्योतिसर तीर्थ, ब्रह्मसरोवर, भीष्मकुंड, सन्निहित-सरोवर इत्यादि जैसे पवित्र स्थानों पर जाना, तथा उसके बाद अधिकाधिक हरि-कथा और प्रसादम था। ज्योतिसर तीर्थ में भक्तों ने उत्साहपूर्वक भगवद्गीता के श्लोकों का वाचन किया।



श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी एवं रघुनाथ भट्ट गोस्वामी का तिरोभाव दिवस (10 अक्टूबर)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

जब आचार्यगण अपने भौतिक शरीर को छोड़ते हैं, तो वे अपने उदाहरण से दिखाते हैं कि आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध लोग भौतिक

UDGAAR

🌳 Udgaaar 2019 (6th October) (ISKCON, East of Kailash)

One of the most sought after annual events of ISKCON Youth Forum is Udgaaar- an expression of goodness and joy. Over the past years, Udgaaar has attained significant dimensions by impacting the lives of youth by virtue of presenting them with a spiritual solution to all material problems.

The theme this year was: 'making India addiction free'- a burning global issue. Organised in the Indira Gandhi National Stadium, it earned participation from leading colleges of the country. Motivational speaker Dr.VivekmBindra emphasised on the importance of spiritual moorings imperative to material satisfaction. Sand artist Nitish Bharti, brought to fore the angst of an addict through his act. The performance of the famous Prince



Dance Group, was applauded for the ten incarnations of Vishnu, which they presented through their dance recital. A spiritual rock band- Madhavas, rocked the audience with mantra rock show. Serenading to the transcendental sound vibrations, the audience was enthralled by the potency of the holy name.

"Education through entertainment was the USP of this program", said an attendee. The youngsters were rather impressed with the openness and maturity with which the theme was handled and how well it was connected to the eternal quest for happiness. The audience was addressed by Union Minister Shri Harshvardhan, who praised organisations like ISKCON for providing a direction and spiritual light to the life of youth all over the world. The forum was used by His Grace Sundar Gopal Prabhu, Director, IYF, ISKCON, to speak about the need for true education which alleviates material suffering and presents an alternative of a peaceful life amidst modern day maladies. In his discourse His Holiness Gopal Krishna

🌳 उदगार 2019 (6 अक्टूबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन युवा मंच (यूथ फोरम) के वार्षिक आयोजनों में सबसे अधिक मांग उदगार की है- अच्छाई और आनंद की एक अभिव्यक्ति। पिछले वर्षों में, उदगार ने सभी भौतिक समस्याओं के आध्यात्मिक समाधान के माध्यम से युवाओं के जीवन को प्रभावित करके महत्वपूर्ण आयाम प्राप्त किए हैं। इस वर्ष की विषय वस्तु एक ज्वलंत वैश्विक मुद्दा रु 'भारत को नशा मुक्त बनाना' रहा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित, इस कार्यक्रम ने देश के प्रमुख कॉलेज-संस्थानों से भागीदारी अर्जित की। प्रेरक वक्ता डॉ. विवेक बिन्द्रा ने भौतिक संतुष्टि हेतु आध्यात्मिक सामग्री की अनिवार्यता पर जोर दिया। रेत कला में निपुण नितीश भारती ने अपनी कला के माध्यम से एक व्यसनी के गुस्से को दर्शाया। सुप्रसिद्ध प्रिंस डांस ग्रुप की, श्री विष्णु के दस अवतारों के प्रदर्शन हेतु सराहना की गई, जो उन्होंने अपने नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किए। एक आध्यात्मिक रॉक बैंड ग्रुप - माधवाश्र ने, दर्शकों को मंत्रा-रॉक शो के साथ झूमने पर विवश कर दिया। दिव्य महामंत्र की ध्वनि स्पंदनों से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक पवित्र हरिनाम की शक्ति द्वारा आकर्षित कर लिए गए। एक प्रतिभागी के अनुसार, "मनोरंजन के माध्यम से शिक्षा" इस कार्यक्रम की खासियत थी। जिस खुलेपन और परिपक्वता के साथ कार्यक्रम के विषय को संभाला गया था युवा लोग उससे प्रभावित थे और साथ ही यह अनादिकाल से चली आ रही आनंद की खोज से जुड़ा हुआ भी था। दर्शकों को केंद्रीय मंत्री श्री हर्षवर्धन जी ने संबोधित किया, जिन्होंने दुनिया भर में युवाओं के जीवन को दिशा और आध्यात्मिक प्रकाश प्रदान करने हेतु इस्कॉन जैसे संगठनों की प्रशंसा की। श्रीमान सुंदर

गोपाल प्रभु, निदेशक, आईवाईएफ, इस्कॉन द्वारा इस मंच से व्याख्यान दिया गया, उन्होंने सच्ची शिक्षा की आवश्यकता के बारे में बात की, जो भौतिक पीड़ा को दूर करती है और आधुनिक समय की विकृतियों के बीच एक शांतिपूर्ण जीवन का विकल्प प्रस्तुत करती है। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज ने अपने प्रवचन में सभा के



उद्गार

Goswami Maharaj, exhorted the young members of the gathering to look at Vedic culture for inspiration and guidance. He urged the new generation to become role models by creating perfect balance between material success and spiritual upliftment. It was an exhilarating experience for the 8000 young people from all around the country, who gathered here to satisfy a spiritual quest.

Message from Prime Minister Shri Narendra Modi

In a message to ISKCON on the occasion of the annual youth festival: Udgaar, Prime Minister Shri Narendra Modi applauded the efforts made by ISKCON, as an organisation to be the beacon of light for youngsters susceptible to depression, and stress. He expressed his pleasure at the choice of theme for the annual youth festival. He commented how it's extremely relevant in the present times, in the light of lack of family support and erosion of moral values. He was confident that the festival will provide a platform to like-minded people who will come together to work towards positive mental and physical health of the youth of this nation. He was certain that through this program, ISKCON will help youth 'progress towards developing a higher consciousness'.

His Holiness Gopal Krishna Goswami enters the World book of Records

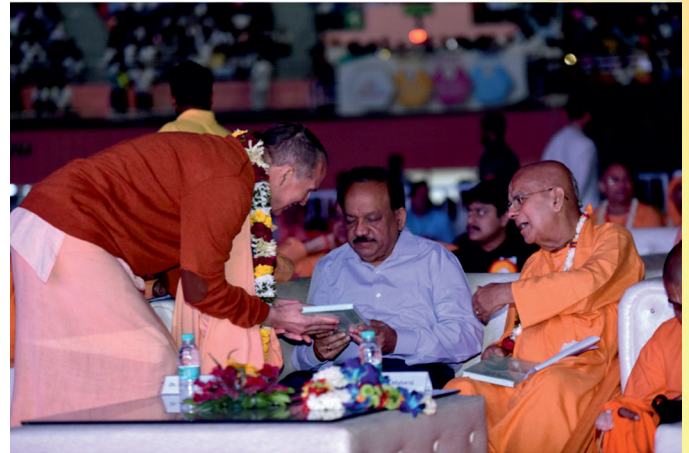
Udgaar, the mega youth festival organised in the humongous Indira Gandhi Stadium for around 12000 youngsters from all parts of the country, was accredited by the World Book Records, London. The given for the annual youth festival was based on the theme 'making India addiction free'. The award was conferred upon His Holiness Gopal Krishna Goswami, in the presence of Honourable Health Minister Shri Harshvardhan. The recognition comes as an acknowledgement of ISKCON's constant endeavours to infuse ethics, high moral standards and pristine lifestyle among the youth of the nation. Dr. Harshvardhan also congratulated ISKCON for undertaking exemplary community service through guidance and direction given in age old scriptures.



युवा सदस्यों का आह्वान करते हुए उन्हें प्रेरणा और मार्गदर्शन हेतु वैदिक संस्कृति की ओर मुड़ने को प्रोत्साहित किया। उन्होंने नई पीढ़ी से भौतिक सफलता एवं आध्यात्मिक उत्थान के मध्य सही संतुलन बनाकर रोल मॉडल बनने का आग्रह किया। यह देश भर के 8000 युवाओं के लिए एक शानदार अनुभव था, जो आध्यात्मिक खोज को पूरा करने के लिए यहां एकत्रित हुए थे।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संदेश

वार्षिक युवा उत्सव रू उद्गार के अवसर पर इस्कॉन के लिए एक संदेश में, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने एक संगठन के रूप में, इस्कॉन द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की, जो अवसाद, और तनाव की स्थिति में अतिसंवेदनशील युवाओं हेतु एक प्रकाशपुंज के समान है। उन्होंने वार्षिक युवा उत्सव उद्गार हेतु विषय-वस्तु के चुनाव पर अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने टिप्पणी की, कि वर्तमान समय में पारिवारिक समर्थन की कमी और नैतिक मूल्यों के क्षरण के मामले में यह किस तरह प्रासंगिक है। उन्हें विश्वास था कि यह उत्सव समान विचारधारा वाले लोगों को एक मंच प्रदान करेगा जो कि इस राष्ट्र के युवाओं के सकारात्मक शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य हेतु मिलकर कार्य करेंगे। वे पूर्णतः निश्चिन्त थे कि इस कार्यक्रम के माध्यम से इस्कॉन, युवाओं को उच्च चेतना विकसित करने की दिशा में प्रगति करने में मदद करेगा।



परम पूज्य श्रील गोपाल कृष्ण गोस्वामी जी महाराज की विश्व पुस्तक रिकॉर्ड्स में प्रविष्टि

देश के सभी हिस्सों से पधारे लगभग 12000 युवाओं हेतु विशालकाय इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित मेगा युवा महोत्सव उद्गार को वर्ल्ड बुक रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा मान्यता प्राप्त थी। यह पुरस्कार वार्षिक युवा उत्सव उद्गार के आयोजन हेतु प्रदान किया गया, जिसकी विषय वस्तु 'भारत को नशा मुक्त बनाने' के रूप में प्रायोजित की गई थी। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज को यह पुरस्कार केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री माननीय श्री हर्षवर्धन जी की उपस्थिति में राष्ट्र के युवाओं में नैतिकता, उच्च नैतिक मानकों और प्राचीन जीवन शैली को बढ़ावा देने हेतु, इस्कॉन के निरंतर प्रयासों की मान्यता स्वरूप प्रदान किया गया। डॉ. हर्षवर्धन ने प्राचीन धर्म-ग्रंथों में दिए गए मार्गदर्शन और निर्देशन के माध्यम से अनुकरणीय सामुदायिक सेवा हेतु भी इस्कॉन को बधाई दी।



DISCOVER YOUR PERMANENT HAPPINESS (12, 13, 19, 20, 26, 27th October) (ISKCON, Dwarka)

The seven days seminar on “Discover Your Permanent Happiness” is being conducted at ISKCON Dwarka. The seminar is being delivered by HG Archit Prabhu for Congregation and HG Bali Murari Prabhu for IYF. The seminar is being conducted each weekend starting from 12th October. Each seminar is designed specifically to answer all queries regarding the supreme personality of Godhead and our own existence. The first two sessions answer where true happiness lies and the existence of God. Third and fourth sessions answer about our real identity and knowledge about the soul. The last session is titled “yoga for the modern age”. Practical tips for a peaceful life are given in this session. Every session is followed by a delicious lunch prasadam. Participants were delighted to get a new outlook on their life.

Dipa Dana (Begins 13th October) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

The month of Kartik is the time of celebration, austerity and concentrated mercy. It is that time of the year when devotees plan to take vows, take up austerities and undertake additional spiritual practices to gain favour of Srimati Radharani, the Queen of Vrindavana. As the presiding deity of this month, Srimati Radharani, distributes mercy unabatedly to all those who are deserving and not so deserving.

The festivities of Kartik began with deep dana. Devotees offered ghee lamps to Their Lordships, seeking Their shelter and protection. Damodarashtakam was sung to please the Lord. Devotees followed a special routine for Kartik, getting up in the wee hours of the morning, chanting extra rounds and performing more devotional service in order to progress on the spiritual path. Abstinence from urad daal was observed during this month. Dhaam yatra to Braj were undertaken for becoming absorbed in the pastimes of the Lord. Singing various prayers, devotees left no stone unturned to attain the sublime mercy of Vaishnavas and Krishna, during the auspicious month of Kartik.



शक्ति से कैसे निपटते हैं। उनका प्रस्थान उनके लिए विशेषानन्द का विषय है क्योंकि वे प्रभु की नित्य लीला में प्रवेश कर नित्य सेवा से जुड़ जाते हैं। हालांकि, उनके अनुयायियों के लिए, यह गहरे दुःख का क्षण है क्योंकि वे प्रेरणा और प्रोत्साहन के अपने स्रोत से वियोग अनुभव करते हैं। वैष्णव परंपरा के दो सबसे बड़े आचार्य श्री रघुनाथ दास गोस्वामी और श्रील रघुनाथ भट्ट गोस्वामी के तिरोभाव दिवस को पुष्पाञ्जलि, कीर्तन, उनकी महिमा गायन और नामजप के साथ मनाया गया।

अपने स्थायी सुख की खोज (12, 13, 19, 20, 26, 27 अक्टूबर) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन द्वारका में ‘डिस्कवर योर परमानेंट हैपिनेस’ विषय पर सात दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की जा रही है। संगोष्ठी का आयोजन, गृहस्थ भक्तों हेतु श्रीमान अर्चित प्रभु एवं आईवाईएफ भक्तों हेतु श्रीमान बाली मुरारी प्रभु द्वारा किया जा रहा है। संगोष्ठी का आयोजन 12 अक्टूबर से प्रत्येक सप्ताहांत शुरू किया जा रहा है। प्रत्येक संगोष्ठी को विशेष रूप से परम भगवान् एवं हमारे स्वयं के अस्तित्व के विषय में सभी प्रश्नों का उत्तर देने हेतु डिजाइन किया गया है। संगोष्ठी के पहले दो सत्रों में हम भगवान के अस्तित्व एवं सच्ची खुशी कहाँ है के विषय में जानेंगे। तीसरा और चौथा सत्र हमारी वास्तविक पहचान और आत्म-विषयक ज्ञान के विषय में बताता है। अंतिम सत्र का शीर्षक ‘आधुनिक युग के लिए योग’ है। इस सत्र में शांतिपूर्ण जीवन हेतु व्यावहारिक सुझाव दिए गए हैं। हर सत्र के बाद स्वादिष्ट लंच प्रसादम होता है। प्रतिभागियों को अपने जीवन पर एक नया दृष्टिकोण प्राप्त कर खुशी हुई।

दीप दान (13 अक्टूबर से शुरू) (इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

कार्तिक का महीना उत्सव, तपस्या और महती कृपा का समय है। यह वर्ष का वह समय है जब भक्त वृंदावन की महारानी श्रीमति राधारानी की कृपा पाने हेतु प्रतिज्ञा लेने, तपस्या करने और अतिरिक्त साधना करने की योजना बनाते हैं। इस महीने के पीठासीन देवता के रूप में, श्रीमति राधारानी, उन सभी लोगों को अपनी दया का वितरण करती हैं जो कि इसके योग्य हैं अथवा योग्य नहीं भी हैं। कार्तिक के उत्सव की शुरुआत दीप-दान के साथ हुई। लोगों ने अपने भगवद-विग्रहों से उनकी शरण और सुरक्षा की प्रार्थना करते हुए अपने प्रभु को घी के दीपक अर्पित किए। भगवान की प्रसन्नता हेतु दामोदरष्टकम

Kartika Prabhat Pheries (13th Oct -12th Nov) (ISKCON, Rohini)

There is 'Dipa Daan' going on for the whole month but the most striking feature of the month is morning sankirtans (prabhat pheris) starting 5.45am till 7.15am daily in different areas of North Delhi. Prabhat Pheris are organised every year. Sometimes sankirtans are held in the evening too when morning bookings are full. There are 4 sankirtan parties – Panch-tattva, Gauranga, Nityananda & Gadadhara, led by H.G. Radha Keshav Das, H.G. Aja Nimai Das, H.G. Upendra Vaman Das & H.G. Ujjawal Prada Das respectively. They have their own chariots & volunteers to take care of the same. They leave for different directions in the morning & come back to the temple by 8.00 am. These pheris have really been instrumental in preaching to the general masses in the auspicious kartik month. Prabhupada's all-time favourite 'transcendental book distribution' takes place on a large scale in the whole month besides public sankirtan.



IGF Got Talent (13th Oct) (ISKCON, Punjabi Bagh)

IGF organized a "Talent Hunt" with devotees participating in various activities including singing, dancing, sketching, sloka recitation, make up art, instrument playing etc. The program also included a special drama on Gopashtami pastime. The winners were awarded special Diwali hampers. Another major highlight of the program was discussion on Kartik glories and vows. There was an ecstatic dancing sankirtan, cake cutting as well as some interesting games on team building. The program concluded with delicious prasadam for all devotees.

On the Way to Krishna (14th – 18th Oct) (ISKCON, Dwarka)

A special 5-day seminar was facilitated by H.G. Amogh Lila Prabhu. This seminar was conducted in the holy month of Kartik to enhance the devotees' faith in Lord Krishna. Each day was a shower of transcendental from the teachings from Madhuraya Kadambini and Rupa Shiksha. Every devotee experienced a transformation of heart and consciousness.

गाया गया। भक्तों ने कार्तिक के लिए एक विशेष दिनचर्या का पालन किया, सुबह के समय में उठना, अतिरिक्त हरिनाम का जप करना और आध्यात्मिक मार्ग पर प्रगति हेतु भगवान् की अधिकाधिक भक्ति एवं सेवा करना। इस महीने के दौरान उड़ददाल से उपवास रखा गया। भगवान् की लीलाओं के आनंद का रसास्वादन करने हेतु ब्रजधाम यात्रा आयोजित की गई। विभिन्न प्रार्थनाओं को गाते हुए, भक्तों ने कार्तिक के पवित्र महीने में वैष्णवों और कृष्ण की विशेष कृपा प्राप्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

कार्तिक प्रभात फेरी (13 अक्टूबर-12 नवंबर) (इस्कॉन, रोहिणी)

यदि पूरे महीने के लिए शदीपदान महोत्सव चल रहा है, परन्तु महीने की सर्वोत्तम विशिष्ट सेवा सुबह के नगर-संकीर्तन (प्रभातफेरी) हैं जो उत्तरी दिल्ली के विभिन्न इलाकों में रोजाना सुबह 5.45 बजे से शुरू होकर सुबह 7.15 बजे तक होती हैं। हर साल प्रभातफेरी का आयोजन किया जाता है। कभी-कभी सुबह की बुकिंग पूरी होने पर शाम के समय भी संकीर्तन आयोजित किए जाते हैं। 4 संकीर्तन पार्टियाँ हैं— पंच-तत्त्व, गौरांग, नित्यानंद और गदाधार, जिसका नेतृत्व क्रमशः श्रीमान राधा केशव दास, श्रीमान अज निमाई दास, श्रीमान उपेन्द्र वामन दास और श्रीमान उज्जवल प्रदा दास करते हैं। उनकी देखभाल हेतु उनके अपने रथ और स्वयंसेवक हैं। वे सुबह अलग-अलग दिशाओं के लिए निकलते हैं और सुबह 8 बजे तक मंदिर में वापस आ जाते हैं। शुभ कार्तिक मास में आम जनता को कृष्ण भावनामृत का उपदेश देने में ये प्रभातफेरी वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण रही हैं। सार्वजनिक संकीर्तन के अलावा प्रभुपाद का सर्वकालिक पसंदीदा 'ट्रान्सेंडेंटल बुक डिस्ट्रीब्यूशन' पूरे महीने बड़े पैमाने पर होता है।

IGF गॉट टैलेंट (13 अक्टूबर) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

IGF ने एक 'टैलेंट हंट' का आयोजन किया जिसमें भक्तियों ने गायन, नर्तन, स्केचिंग, सस्वर स्लोक पाठ, मेकअप कला, वाद्ययंत्र-वादन आदि विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस कार्यक्रम में गोपाष्टमी लीला पर एक विशेष नाटक भी शामिल था। विजेताओं को विशेष





Management Lessons from Ramayana (16th Oct) (The Institute for Science and Spirituality (ISS))

A talk on the above topic was organized at IIT Delhi. The invited speaker was Dr. U V Somayajulu who is an authority on the subject of Ramayana and its relevance in modern times. About 100 participants comprising faculty members, research scholars and students attended the program. Dr. Somayajulu brought out the virtues of all the main characters in the epic of Ramayana and presented an excellent analysis in terms of moral standards, duties and actions performed by each of them under the specific circumstances. He then went on to correlate the same value system for a typical professional in the role of a manager in the modern times in terms of his duties, ethical fabric to adhere to and the process of taking right decisions, especially under challenging circumstances. For each of the subthemes he classified actions of a modern protagonist, be it a scientist, an entrepreneur, a professional or an employee under Uttama (superior), Madhyama (average) & Adhama (inferior) categories to bring home the message. This correlation of the characters from the epic was excellent and was greatly appreciated by the audience. The presentation on mission-based working & decision making was received very positively. Some of the key takeaways were adopting high levels of motivation in every endeavour, succession planning, leaving the comfort zone, excellence in execution, concern for the environment, humility in victory, etc. The Program ended with very positive vibes and enthusiasm. This initiative was taken under the dynamic leadership of Prof. Suresh Bhalla (H.G. Srutikirti Prabhuji) who is steering a group of scientists and technologists from IITD for last several years on the path of self-realization.

Namahatta Kartika Yatra (19th & 20th October) (ISKCON, East of Kailash)

Visiting holy places during Kartik yields manifold results. The Namahatta Group organised a two-day yatra to Govardhana. Devotees visited several places of pastimes and heard nectarean discourses about the same from H.G. Mohan Rupa Prabhu, Temple President. Hearing the pastimes of the Lord, understanding them from bonafide devotees of the discipal succession, is the best way to

दिवाली उपहार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का एक अन्य प्रमुख आकर्षण कार्तिक के व्रत एवं उसकी महिमा पर चर्चा रही। कार्यक्रम में व्यापक नृत्य संकीर्तन, केक काटने के साथ-साथ टीम के निर्माण पर कुछ रूचिप्रद खेल भी थे और सभी भक्तों के लिए स्वादिष्ट प्रसाद के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कृष्ण की ओर (14 - 18 अक्टूबर) (इस्कॉन, द्वारका)

श्रीमान अमोघ लीला प्रभु द्वारा विशेष 5-दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्तिक के पवित्र महीने में यह संगोष्ठी भगवान कृष्ण में भक्तों के विश्वास को बढ़ाने हेतु आयोजित की गई। प्रत्येक दिन माधुर्य-कादम्बिनी एवं रूप-शिक्षा से उपदेशों की बौछार होती थी। प्रत्येक भक्त ने अपने हृदय और चेतना में परिवर्तन का अनुभव किया।

रामायण से प्रबंधन पाठ (16 अक्टूबर) (इंस्टीट्यूट फॉर साइंस एंड स्पिरिचुअलिटी (ISS))

IIT दिल्ली में उपरोक्त विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया गया। आमंत्रित वक्ता डॉ. यू वी सोमयाजुलु थे जो रामायण के विषय और आधुनिक समय में इसकी प्रासंगिकता पर एक अधिकृत वक्ता हैं। लगभग 100 प्रतिभागियों में संकाय सदस्य, अनुसंधान विद्वान और छात्र शामिल रहे। कार्यक्रम में डॉ. सोमयाजुलु रामायण महाकाव्य के सभी मुख्य पात्रों के गुणों को सामने लाये एवं प्रत्येक पात्र द्वारा विशिष्ट परिस्थितियों में अपनाये गए नैतिक मानकों, कर्तव्यों और कार्यों के संदर्भ में उन्होंने एक उत्कृष्ट विश्लेषण भी प्रस्तुत किया। इसके बाद आगे, उन्होंने उसी मूल्य प्रणाली को सहसंबद्ध किया जो कि आधुनिक समय में एक प्रबंधक की भूमिका में एक विशिष्ट पेशेवर हेतु अपने कर्तव्यों, नैतिक ताने-बाने और विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की प्रक्रिया से जुड़े रहने के संदर्भ में अत्यावश्यक है। प्रत्येक उपमा के लिए उन्होंने एक आधुनिक नायक के कार्यों को वर्गीकृत किया, चाहे वह एक वैज्ञानिक, एक उद्यमी, एक पेशेवर या फिर उत्तम (श्रेष्ठ), मध्यम (औसत) अथवा अधम (निम्न-स्तर) श्रेणियों के तहत एक कर्मचारी ही क्यों न हो ताकि सभी हेतु स्पष्ट संदेश प्राप्त किया जा सके। महाकाव्य से पात्रों का यह संबंध उत्कृष्ट था और दर्शकों द्वारा बहुत सराहा गया था। लक्ष्याधारित कार्य एवं निर्णय लेने की कला अथवा क्षमता पर प्रस्तुति को बहुत ही सकारात्मक रूप से ग्रहण किया गया। कुछ प्रमुख शिक्षाएं रहीं जैसे कि - हर प्रयास में उच्च स्तर की प्रेरणा को अपनाना, उत्तरोत्तर अथवा उत्तराधिकार की योजना बनाना, सुविधासंपन्न क्षेत्र का त्याग, निष्पादन में उत्कृष्टता, पर्यावरण के लिए चिंता, जीत में विनम्रता आदि। कार्यक्रम बहुत ही सकारात्मक उमंग एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इस पहल की शुरुआत प्रो. सुरेश भल्ला (श्रीमान श्रुतिकीर्ति प्रभुजी) के गतिशील नेतृत्व में की गई, जो आईआईटीडी के वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के एक समूह को आत्म-साक्षात्कार के मार्ग पर पिछले कई वर्षों से संचालित कर रहे हैं।

नामहट्ट कार्तिक यात्रा (19 और 20 अक्टूबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

कार्तिक के दौरान पवित्र स्थानों के दर्शन करने से कई गुना फल मिलता है। नामहट्ट समूह ने गोवर्धन की दो दिवसीय यात्रा आयोजित की। भक्तों ने कई लीलास्थलियों का दौरा किया और मंदिर के अध्यक्ष श्रीमान मोहन रूप प्रभु से उन लीलास्थलों के विषय में अमृतमयि

earn spiritual credits in the auspicious month of Kartika. Chanting the transcendental names of the Lord and performing kirtan, devotees also performed Govardhana parikrama in the association with senior devotees, Visiting the places of various pastimes, the devotees absorbed their minds in the pastimes like the killing of Aghasura and the Brahma-vimohanalila. Taking a welcome break from their routine duties and schedules, spending time in the association of devotees always rejuvenates spiritual enthusiasts. These yatras are a perfect way to recharge one's spiritual batteries. Focussing on Krishna and His pastimes, chanting more and following a routine conducive to our spiritual growth, are some of the many attractions of such opportunities.

Vrindavan Dham Yatra (19-20th October 2019) (ISKCON, Dwarka)

A two-day yatra was organized to nourish the devotees in the association of H.G. Amala Krishna Prabhu for Congregation and H.G. Amogh Lila Prabhu and H.G. Ramnarayan Prabhu for ISKCON Youth Forum (IYF).

The yatra included a visit to the famous temples and pastime places of the Lord, spiritual sports of devotees, delicious prasadam and mesmerizing kirtan.

Devotees meet Yogi Adityanathji

H.G. Ajit Govind prabhu, H.G. Amogh Lila Prabhu and some other devotees met Yogi Adityanathji, Chief Minister of Uttar Pradesh, to present to him the books from the series "Values of life". Eventhough he was very busy, he still made time to meet the devotees. He was very happy to see the books and meet the devotees. The devotees met him at his residence. He said that he would pass on the books to his Education Minister to see if these books can be introduced in the UP schools curriculum. He also praised ISKCON for all their activities. He was very pleasantly surprised to learn that in ISKCON we also worship Lord Rama. He said that he was under the impression that ISKCON devotees only worship Lord Krishna. The devotees also presented him beautiful deities of Sri Sri Sita Rama Laksmana and Hanumana.



Govardhana puja (29th October) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

Spiritual life is an eternal festival. In the season of festival, devotees also celebrated Anna kuta or Govardhana Puja. The pastime of the Lord vanquishing the king of demigods,

प्रवचन सुने। भगवान् की लीलाओं को सुनना एवं उन्हें गुरु-शिष्य परंपरा के उत्तराधिकारी भक्त द्वारा समझना, कार्तिक के पवित्र महीने में आध्यात्मिक लाभ अर्जित करने का सबसे अच्छा तरीका है। भक्तों ने भगवान् के दिव्य नामों का जप एवं कीर्तन करते हुए, वरिष्ठ भक्तों के साथ मिलकर गोवर्धन परिक्रमा भी की, विभिन्न लीलास्थलियों के दर्शन करते हुए, भक्तों ने अघासुर वध एवं ब्रह्म-विमोहनलीला जैसे लीलाओं में अपने हृदय को रमाया। अपने नियमित कर्तव्यों और समय-सारणियों से ऐच्छिक अवकाश लेकर, भक्तों के संग में समय देना, सदा ही आध्यात्मिक उत्साही लोगों को पुनः आध्यात्मिक रूप से ऊर्जावान बनाता है। ऐसी यात्राएं किसी की भी आध्यात्मिक बैटरी को रिचार्ज करने का एक उत्तम साधन हैं। कृष्ण और उनकी लीलाओं पर ध्यान केंद्रित करना, अधिक जप करना और हमारे आध्यात्मिक विकास हेतु अनुकूल दिनचर्या का पालन करना, ऐसे अवसरों के बहुत से आकर्षणों में से एक हैं।

वृंदावन धाम-यात्रा (19-20 अक्टूबर 2019) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन युवा मंच (IYF) हेतु श्रीमान् अमोघ लीला प्रभु एवं श्रीमान् रामनारायण प्रभु के सहयोग से तथा गृहस्थ भक्तों हेतु श्रीमान् अमल कृष्ण प्रभु के सहयोग से भक्तों को आध्यात्मिक पोषण देने हेतु दो दिवसीय धाम यात्रा आयोजित की गई। यात्रा में प्रसिद्ध मंदिरों तथा भगवान् की लीलास्थलियों, के दर्शन के अलावा भक्तों के आध्यात्मिक खेल, स्वादिष्ट प्रसादम और मंत्रमुग्ध करने वाला कीर्तन शामिल था।

भक्तों ने योगी आदित्यनाथ जी से भेंट की

श्रीमान् अजीत गोविंद प्रभु, श्रीमान् अमोघ लीला प्रभु तथा कुछ अन्य भक्त उत्तरप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से उन्हें 'वैल्यू ऑफ लाइफ' श्रृंखला की पुस्तकें भेंट करने हेतु मिले। यद्यपि वह बहुत व्यस्त थे परन्तु फिर भी उन्होंने न सिर्फ भक्तों से भेंट करने को प्राथमिकता देकर उन्हें समय दिया बल्कि वह पुस्तकों को देखकर और भक्तों से मिलकर बहुत प्रसन्न भी हुए। भक्तों ने यह भेंट उनसे उनके आवास पर जाकर की। उन्होंने कहा कि वह पुस्तकों को अपने शिक्षा मंत्री को देंगे और देखेंगे कि क्या इन पुस्तकों को उत्तरप्रदेश के विद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जा सकता है !!

उन्होंने इस्कॉन की सभी गतिविधियों के लिए इस्कॉन की प्रशंसा भी की। उन्हें यह जानकर बहुत सुखद आश्चर्य हुआ कि इस्कॉन में हम भगवान् राम की भी पूजा करते हैं। उन्होंने बताया कि वह अभी तक इसी अनुमानित धारणा में थे कि इस्कॉन में भक्त केवल भगवान् कृष्ण की ही पूजा करते हैं। भक्तों ने जब उन्हें श्री श्री सीता राम लक्ष्मण एवं हनुमान जी के सुंदर विग्रह भेंट किये तो वे प्रसन्न हुए।

गोवर्धन पूजा (29-अक्टूबर) (इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

आध्यात्मिक जीवन नित्योत्सव है। त्योहारों के मौसम में, भक्तों ने अन्न-कूट या गोवर्धन पूजा भी मनाई। भगवान् द्वारा देवताओं के राजा इंद्र का मान मर्दन करने की लीला। इंद्र की हार से पता चलता है कि भगवान् को किस तरह से अभिमान न पसंद है और परम भगवान् के अलावा कोई और बेहतर आश्रय नहीं है। गोवर्धन पूजा गायों के पूजन, कीर्तन एवं भोज के साथ मनाई गई। गायों को

Indra. Indra's defeat shows how the Lord dislikes pride and there is no better protection other than that of the Lord, the Supreme authority. Govardhana Puja was celebrated with kirtan, feast and worship of cows. Cows were fed jaggery, a gigantic mound of bhoga was created for Krishna who took the form of Govardhana to offer shelter to the inhabitants of Vrindavan. Amidst sublime chanting of the holy names, devotees performed parikrama of this mound, honouring the sumptuous feast.

Disappearance day of Srila Prabhupada (31st October) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

Srila Prabhupada, the Founder Acharya of ISKCON, possesses a special place in the history of Indian saints due to his almost impossible feat of spreading Vedic culture and principles in the western world. At a time when the youth of America was disillusioned by society and had committed themselves to mass self-destruction through addiction, in a world where rules were openly flouted and regulations had been discarded for good, it was nothing less than a miracle that Prabhupada could institute an international organisation based on these very two tenets. Ignited the spiritual spark of thousands of boys and girls across the globe, Prabhupada rekindled the fire of Vaishnava tradition, so mercifully re-introduced by Chaitanya Mahaprabhu. His mission and purpose of incarnating was taken to another level, with the whole world being inundated by the potency of the holy name. Prabhupada is the saviour of the modern world. He paved the way for spreading and understanding of Krishna consciousness in the dark and hopeless age of Kali. On his disappearance day, he was remembered for how he instructed and taught through pure love. An abhishek was organised to mark the occasion. Devotees reminisced their interaction, experiences and realisations with their association with Prabhupada and his movement.



Disappearance day of Srila Gaur Kisora Dasa Babaji Maharaja (8th November) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

Acharyas in the disciplic succession are glorious in character and sublime in nature. Srila Gaur Kisora Dasa Babaji Maharaj, the spiritual master of Bhakti Siddhant Saraswati Goswami Maharaja, was a pure devotee. Refusing to have anything to do with society he was completely absorbed in the chanting of the holy names. He took only one disciple on the recommendation of Bhaktivinoda Thakura, who went on to become a stalwart preacher spreading Vaishnavism far and wide.

The disappearance day of Srila Gaur Kisoradasa Babaji Maharaja will be celebrated with kirtan and pushpanjali.

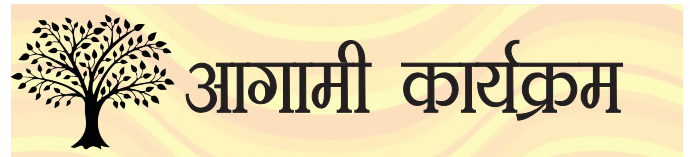
Last day of Caturmasya (12th November)

With Kartik, the auspicious four months of Caturmasya will end.

गुड़ खिलाया गया, कृष्ण को भोग अर्पण हेतु एक विशालकाय अन्न एवं भोगों का टीला बनाया गया, जो वृंदावन के निवासियों को आश्रय देने हेतु गोवर्धन का रूप धारण करते हैं पवित्र नामों के उच्चारण के बीच, भक्तों ने इस टीले की परिक्रमा की और शानदार भोज प्रसाद का आनंद लिया।

श्रील प्रभुपाद का तिरोभाव दिवस (31-अक्टूबर) (इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

इस्कॉन के संस्थापकाचार्य श्रील प्रभुपाद ने पश्चिमी दुनिया में वैदिक संस्कृति और सिद्धांतों को फैलाने की अपनी लगभग असंभव उपलब्धि के कारण भारतीय संतों के इतिहास में एक विशेष स्थान बना रखा है। ऐसे समय में जब अमेरिका के युवाओं का समाज से मोह भंग हो गया था और वे नशे के माध्यम से सामूहिक रूप से आत्म-विनाश की ओर अग्रसर थे, एक ऐसी दुनिया में जहाँ नियमों की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही थीं एवं अच्छाई के नियमों को छोड़ दिया गया था, यह किसी चमत्कार से कम नहीं था – प्रभुपाद ने वैदिक सिद्धांतों के आधार पर एक अंतरराष्ट्रीय संगठन का गठन किया। दुनिया भर में हजारों लड़कों और लड़कियों के अंतर में आध्यात्मिक चिंगारी को प्रज्वलित करते हुए, श्रील प्रभुपाद ने वैष्णव परंपरा की आग को फिर से जलाया, बड़ी दयापूर्वक चैतन्य महाप्रभु द्वारा चलाये गए मिशन से पुनः परिचित करा उनके मिशन एवं अवतार के उद्देश्य को अलग ही स्तर पर ले गए, जिसमें पूरी दुनिया पवित्र नाम की शक्ति से भर गई। श्रील प्रभुपाद आधुनिक दुनिया के तारणहार हैं। उन्होंने कली के अंधेरे और निराशाजनक युग में कृष्ण चेतना के प्रसार और समझ का मार्ग प्रशस्त किया। उनके तिरोभाव दिवस पर उन्हें याद किया गया कि कैसे उन्होंने निर्देश दिया और शुद्ध प्रेम के माध्यम से सिखाया। इस अवसर का लाभ लेने हेतु एक अभिषेक आयोजित किया गया था। भक्तों ने प्रभुपाद और उनके आंदोलन में अपनी विचार, अनुभव और अनुभूतियों को याद किया।



श्रील गौर किशोर दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव दिवस (8 नवंबर) (इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

हमारे गुरु-शिष्य परंपरा के आचार्य चरित्र में गौरवशाली एवं स्वभाव से महान हैं। भक्ति सिद्धांत सरस्वती गोस्वामी महाराज के आध्यात्मिक गुरु, श्रील गौर किशोर दास बाबाजी महाराज एक शुद्ध भक्त हैं। समाज में घनिष्टता रखना अस्वीकार करते हुए वह पूर्ण रूप से पवित्र नामों के जप में निमग्न थे। उन्होंने भक्तिविनोद ठाकुर की सिफारिश पर केवल एक शिष्य स्वीकार किया, जो कि वैष्णव परम्परा को चारों दिशाओं में फैलाने वाले एक सशक्त प्रचारक बने। श्रील गौर किशोर दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव दिवस कीर्तन और पुष्पांजलि के साथ मनाया जाएगा।

कार्तिक एवं चातुर्मास का अंतिम दिन (12 नवंबर)

कार्तिक के साथ, चतुर्मास्य के शुभ चार महीनों का भी समापन हो जाएगा।

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir (Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road (Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Srinivas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Srinivas Puri, New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika Sangam Vihar, New Delhi-110080
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station, New Delhi -110001
Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivastava Angan Namahatta Center, 223-A Pkt. C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park, Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram, New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market, New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Lajpat Nagar – 7pm. Every MONDAY at Sant Kanwar Ram Mandir, Jal Vihar Road, Lajpat Nagar-2, New Delhi. Contact : 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Vaikuntha Fun School, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, PUNJABI BAGH

Kirti Nagar- Shemrock heights Play School- E-77, opp. Kotak Mahindra Bank. Centre Coordinator- Krishna Murari Prabhuj- 9868387810

Paschim Vihar- 344, Pragati Apartments, club road Punjabi bagh, Centre Co-ordinator- Jahanvi Mataji 9250637080, Parul prabhuj- 9971493379

Rani Bagh- OM Public School, Furniture Market, Rishi Nagar. Centre Co-ordinator Vikas Singhal- 9654690503, Sadhyavilasini Mataji – 9212400126

Vishal Enclave- Kidz Liliput- B33 Vishal Enclave, Rajouri Garden, Centre Coordinator- Kavita Gulati Mataji -8447487375

Shastri Nagar WZ-38, opposite Mother Dairy, Centre Coordinator- Vaibhav Gupta Prabhuj- 9868036006, 9213432666, Sadhya Krishan Prabhuj- 9999840554

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR

New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

S.G.N. WEALTH ADVISORY SERVICES

Cont : 9212743876, 8851942718

Email: srigaurharidas@gmail.com

Financial Planing • Tax Planing • Health Planing
Mutual Funds • Bank F.D. • General/Life Insurance









TUBELLO CLOTHES DRYING STAND

ADEQUATE DRYING SPACE

Available at bonitaindia.com, Big Bazaar and More Stores

LAUNDRY | ORGANIZING | STORAGE | KITCHEN

www.bonitaglobal.com | sales@bonitaglobal.com | +91 8130577666

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shraavan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram, Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad, Phone : 0129-4145231
Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at delhinews108@gmail.com



Transcendental Dining Experience

GOVINDA'S
PURE VEGETARIAN RESTAURANT

Only Restaurant in Delhi serving unique
Multi-Cuisine traditional feast of 56 varieties
of dishes under one roof...

Facilities for Corporate Meetings / Seminars /
Weddings / Birthday / Reception etc. from
Minimum 30 to 600 persons. We undertake
Outdoor Catering services as well.

- Wide selection of Snacks & Desserts
- Multi Cuisine Menu
- Unique Ambience
- Theme Decor Arrangement

ISKCON Temple Complex, Sant Nagar,
East of Kailash, New Delhi-110065

98718 63733 | 9650800328 | 011-41094042

Lunch
12.30 to 3.30 pm

Snacks
4.00 to 6.30 pm

Dinner
7.00 to 10.00 pm